# दो लाख टन नेचुरल रबर के ड्यूटी फ्री आयात की मांग उठाई उद्योग ने

## टायर उद्योग ने खपत के मुकाबले उत्पादन में कमी के आधार पर मांग की

प्रेट्र • कोच्चि

**टायर** उद्योग ने सरकार ने दो लाख टन नेचुरल रबर के ड्यूटी फ्री आयात की अनुमति देने की मांग की है। उद्योग का कहना है कि नेचुरल रबर का उत्पादन घरेलू खपत के मुकाबले चालू उत्पादन वर्ष 2011-12 के दौरान 1.89 लाख टन कम रह सकता है। घरेलू उत्पादन कम रहने की संभावना से मांग पूरी करने के लिए ड्यूटी फ्री आयात जरूरी है। अखिल भारतीय टायर उत्पाद संघ (एटीएमए) के महानिदेशक राजीव बुद्धराजा ने बताया कि नेचुरल रबर का उत्पादन वर्ष 2011-12 में 1,89,000 टन कम रह सकता है। बुद्धराजा ने बताया कि पिछले चार वित्त वर्षों के दौरान नेचुरल रबर के उत्पादन में मात्र एक फीसदी की ही बढ़ोतरी हो सकी है जबकि खपत में 15 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। उत्पादन के मुकाबले खपत ज्यादा है।

उन्होंने कहा कि तेजी से विकसित हो रही घरेलू ऑटोमोबाइल उद्योग की मांग को पूरा करने के लिए टायर कंपनियां नई क्षमता का विस्तार करेंगी जिससे खपत में 15 हजार टन की बढ़ोतरी हो जाएगी। रबर बोर्ड का अनुमान है कि वर्तमान वित्त वर्ष रबर की खपत में 40,000 टन की बढ़ोतरी हो जाएगी। घरेलू उत्पादन और खपत के बीच का अंतर 75,000 टन रहेगा। बोर्ड द्वारा कम खपत रहने के अनुमान का प्रभाव रबर क्षेत्र के लिए नीतियों के निर्धारण पर पड़ेगा। एआईटीएमए और ऑल इंडिया रबर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एआईआरआईए) के प्रतिनिधि कोट्टयम में रबर बोर्ड से मिला और उन्होंने कहा कि चीन से जिस तरह के संकेत मिल रहे हैं उसके आधार पर सरकार को नीतियों में जरूरी बदलाव लाना होगा। रबर पर आधारित उद्योगों को प्रतिस्पर्द्धात्मक मूल्य और समय पर कच्चा माल उपलब्ध कराना होगा। एआईआरआईए के अध्यक्ष विनोद साइमन ने कहा कि उत्पादन और खपत के बीच कमी को देखते हुए रबर का आयात अनिवार्य हो गया है।